RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक

# क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 137, बुधवार, 12 जून, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

## महाराष्ट्रः बीजेपी-शिवसेना के बीच सीएम पद के लिए ढाई-ढाई साल फार्मूले पर समझौता!

**मुंबई ।** लोकसभा चुनाव में शानदार सफलता के बाद शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भी साथ मिलकर लड़ने जा रही है। दोनों पार्टियों के बीच ढाई-ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद साझा करने पर सहमति भी बन गई है। यह जानकारी शिवसेना के युवा नेता और आदित्य ठाकरे के कजन वरुण सरदेसाई ने ट्वीट के जरिये दी है। हालांकि अभी किसी वरिष्ठ नेता नेता की ओर से इस फैसले की पुष्टि नहीं की गई है। सरदेसाई ने ट्वीट किया है, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव साहेब और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह ने फैसला किया है कि महाराष्ट्र सीएम का पद 2.5 साल के लिए दोनों का होगा। लोग जो इस समझौते के लिए मौजूद नहीं थे, वे गठबंधन को अपने फायदे के लिए बिगाड़ें नहीं। हालांकि, फिलहाल किसी सीनियर नेता ने इस बात की पुष्टि नहीं की है। दिलचस्प बात यह है कि हाल ही ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह पार्टी का मुख्यमंत्री बनाने को लेकर अडिग हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाह ने बीजेपी की कोर कमिटी को यह बात रविवार को दिल्ली में हुई बैठक में बता दी है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी ने यह प्रस्ताव रखा है कि दोनों पार्टियां राज्य की 135-135 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। बाकी सीटें क्षेत्रीय गठबंधन दलों को दे दी जाएंगी। हालांकि, शिवसेना को यह मंजूर नहीं।

## अरुणाचल प्रदेश के घने जंगलों में मिला लापता एएन-32 विमान का मलबाः वायुसेना

**नई दिल्ली ।** भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने मंगलवार को कहा कि तीन जून को 13 लोगों के साथ लापता हुए एएन-32 विमान का मलबा अरुणाचल प्रदेश में देखा गया है। भारतीय वायुसेना के प्रवक्ता विंग कमांडर रत्नाकर सिंह ने कहा, खोज के विस्तृत क्षेत्र में एमआई-17 हेलीकॉप्टर ने 12,000 फुट की अनुमानित ऊंचाई पर टेटो के उत्तर-पूर्व में लापता ट्रांसपोर्टर विमान एएन-32 के मलबे को लीपो में देखा है। सिंह ने कहा, हमारा अगला प्रयास है कि हम मलबे वाली जगह पर जाएं और टेल नंबर के-2752 वाले दुर्घटनाग्रस्त विमान के ब्लैक बॉक्स और सीवीआर की खोज करें। 3 जून को रूसी मूल के एएन-32 विमान ने असम के जोरहाट एयरबेस से चीनी सीमा के नजदीक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले के मेचुका एडवांस्ड लैंडिंग ग्राउंड के लिए उड़ान भरी थी। विमान का दोपहर 1.30 बजे ग्राउंड स्टाफ से संपर्क टूट गया था। पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल आर.डी. माथुर खोज और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। वायुसेना ने आठ जून को लापता विमान के स्थान का पता या इससे संबंधित जानकारी देने के लिए पांच लाख रुपये इनाम की घोषणा की थी।

# गुजरात समेत इन राज्यों में 'वायु' का खतरा, गृह मंत्रालय ने जारी किया हाई अलर्ट

**नई दिल्ली ।**

गुजरात की तरफ तेजी से बढ़ रहे चक्रवाती तूफान 'वायु' को लेकर सरकार अलर्ट हो गई है। इसके चलते गुजरात समेत दमन और द्वीप में गृह मंत्रालय की ओर से तूफान का हाई अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों पर 'वायु' साइक्लोन का खतरा मंडरा रहा है। अरब सागर में दबाव की स्थिति अगले कुछ घंटों में चक्रवाती तूफान की शक्ल ले सकती है, जिसके चलते मौसम विभाग ने 55 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे से तेज हवाओं के साथ भारी से भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार, सुदूर समुद्र में हवा के कम दबाव का क्षेत्र तेजी से बनने के कारण 'वायु' के 13 जून को गुजरात के तटवर्ती पोरबंदर और कच्छ क्षेत्र में पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसके मद्देनजर सौराष्ट्र और कच्छ के तटीय इलाकों में 13 और 14 जून को भारी बारिश होने तथा 110 किमी प्रति घंटे की गति से तूफानी हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है।

स्थिति की गंभीरता के मद्देनजर गुजरात सरकार ने भी 'हाई अलर्ट' जारी करते हुए सौराष्ट्र और कच्छ इलाकों में मंगलवार को सुबह तूफान की आशंका वाले तटीय इलाकों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवानों को तैनात किया है। इस बीच, गृह मंत्री अमित शाह ने चक्रवात से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिये संबद्ध विभागों के साथ हाई लेवल मीटिंग की। विभाग ने अगले 12 घंटों में चक्रवात के और अधिक गंभीर रूप धारण करने की आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर की ओर बढ़ता 'वायु' 13 जून को सुबह गुजरात के तटीय इलाकों में पोरबंदर से महुवा, वेरावल और दीव क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसकी गति 115 से 130 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। इसके बाद तूफानी हवाओं की गति कम होनी शुरु हो जायेगी। तटीय क्षेत्रों में मछुआरों को अगले कुछ दिनों तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। साथ ही बंदरगाहों को खतरे के संकेत और सूचना जारी करने को कहा गया है। वहीं गुजरात के पोरबंदर जिले के 74 गांव के 35000 हजार लोगों को गांव से बाहर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। वहीं जिले के की सभी स्कूल -कॉलेज में तीन दिन तक छुट्टी रहेगी। पोरबंदर मे **NDRF** की 3 टीम तैनात की जाएंगी।

## कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू, विदेश मंत्री जयशंकर ने पहले जत्थे को किया रवाना

**नई दिल्ली ।**

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को इस वर्ष कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को रवाना किया। इस तीर्थयात्रा के आयोजन में सहयोग प्रदान करने के लिए चीन का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा, यह दोनों देश के बीच लोगों के आने-जाने (पीपल टू पीपल एक्सचेंज), दोस्ती और समझ को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस यात्रा के निजी अनुभव भी साझा किए। उन्होंने चीन के राजदूत रहने के दौरान वर्ष 2012 में कैलाश मानसरोवर की यात्रा की थी। कैलाश मानसरोवर तिब्बत में कैलाश माउंटेन रेंज में 21,778 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिंदू इसे भगवान शिव का निवास स्थान मानते हैं। मंत्री ने कहा कि इस तीर्थयात्रा को लेकर लोगों की रुचि लगातार बढ़ती जा रही है। पहला जत्था लिपुलेख दर्रे से होकर कैलाश मानसरोवर पहुंचेगा और इस दौरान श्रद्धालुओं को कुछ ट्रैकिंग भी करनी पड़ेगी।

# ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर पीएम मोदी से मिले पटनायक

**नयी दिल्ली ।** ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और अपने राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक तस्वीर ट्वीट कर इस मुलाकात की जानकारी दी। पटनायक के लगातार पांचवीं बार ओडिशा की सत्ता बाद संभालने के बाद मोदी के साथ यह उनकी पहली मुलाकात थी। दोनो नेताओं की यह मुलाकात प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद पटनायक ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री से उन्होंने राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग की है। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें चुनावों में जीत के लिए बधाई दी। मैंने उनसे फोनी तूफान से प्रभावित राज्य को विशेष दर्जा देने का अनुरोध भी किया।

तूफान से राज्य को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। पटनायक ने राज्य में पहली बार 2000 में मुख्यमंत्री का पद संभाला था। हाल में हुए विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी बीजू जनता दल को 147 में से 112 सीटें प्राप्त हुई है।

## भीषण गर्मी के बीच दिल्लीवासियों को मिली राहत, तेज हवाओं के साथ हुई हल्की बारिश

**नई दिल्ली।**

गर्मी ने इस बार अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी की चपेट में और इससे फिलहाल कोई राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। वहीं दिल्ली के कई इलाकों में मगलवार हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में दिल्ली-एनसीआर के इलाके में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। वहीं सोमवार को दिल्ली में सबसे ज्यादा 48 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब एवं दिल्ली सहित आसपास के इलाकों में भीषण गर्मी का कहर जारी है। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के पीछे वेस्टर्न डिस्टर्बेंस को अहम कारण माना जा रहा है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण दिल्ली या उसके आसपास के इलाकों में हवा या आंधी कुछ नहीं चल रहा। वहीं मानसून में देरी और प्री-मानसून में कम बारिश के कारण भी पारा हाई पर रहा। लोग कब से बारिश का इंतजार कर रहे हैं ताकि थोड़ी राहत मिल सके नहीं मई माह से ही बारिश का कोई अता-पता नहीं है।

# सरकार ने भ्रष्टाचार, कदाचार के लिए 12 वरिष्ठ आयकर अधिकारियों को किया सस्पेंड

बिजनेस डेस्कः सरकार ने भ्रष्टाचार और पेशेवर कदाचार के आरोप में आयकर विभाग के 12 वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। इनमें आयुक्त और संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस सूची में शामिल एक बर्खास्त संयुक्त आयुक्त के खिलाफ स्वयंभू धर्मगुरु चंद्रास्वामी की मदद करने के आरोपी एक व्यवसायी से जबरन वसूली तथा भ्रष्टाचार की गंभीर शिकायतें हैं। सूत्रों ने बताया कि नोएडा में तैनात आयुक्त (अपील) के पद का कए आईआरएस अधिकारी भी है । उस पर आयुक्त स्तर की दो महिला आईआरएस अधिकारियों के यौन उत्पीड़न का आरोप है। एक अन्य आईआरएस अधिकारी ने अपने और अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर 3.17 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति अर्जित की थी। यह संपत्ति कथित तौर पर पद का दुरुपयोग करके और भ्रष्ट एवं गैर - कानूनी तरीकों से अर्जित की गई थी।इस अधिकारी को समय से पहले सेवानिवृत्ति लेने का निर्देश दिया गया है। आयकर विभाग के एक आयुक्त के खिलाफ सीबीआई की भ्रष्टाचार रोधी शाखा ने आय से अधिक का मामला दर्ज किया था और उन्हें अक्टूबर 2009 में सेवा से निलंबित कर दिया था। उन्हें भी सरकार ने अनिवार्य सेवानिवृत्त लेने के लिए कहा है। एक अन्य अफसर जो भ्रष्टाचार और जबरन वसूली में लिप्त था और कई गलत आदेश पारित किए थे। इन आदेशों को बाद में अपीलीय प्राधिकरण ने पलट दिया था। उसे भी सेवा से बर्खास्त किया गया है।

# शोपियां में मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने मार गिराए अंसार गजवातुल हिंद के दो आतंकी

**श्रीनगर।**

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में अंसार गजवातुल हिंद (एजीएच) के दो आतंकवादी मारे गए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी), राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने आज तड़के शोपियां जिले के अवनीरा गांव में संयुक्त रूप से घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। गांव से बाहर निकलने के सभी रास्तों को बंद करने के बाद जब सुरक्षाबल के जवान इलाके में घर-घर जाकर तलाशी अभियान चला रहे थे तो वहां पहले से छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलियां चलाईं। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए हैं और उनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। यह मुठभेड़ खत्म हो गई है। आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक मारे गए आतंकवादियों की पहचान कुलगाम के सायर अहमद भट्ट और शोपियां के शकीर अहमद वागे के रूप में की गई है। मुठभेड़ में मारे गए इन दोनों आतंकवादियों का संबंध आतंकवादी संगठन अंसार गजवातुल हिंद (एजीएच) से था और दोनों ही कई मामलों में वांछित थे। अवनीरा गांव के आस-पास के इलाके में किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने लोगों से पुलिस के साथ सहयोग करने और मुठभेड़ वाली जगह नहीं जाने का अनुरोध किया है।

# बसपा उपचुनाव के सहारे साधेगी मिशन-2022 का लक्ष्य

**लखनऊ -**

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उपचुनाव के सहारे वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव का रास्ता तैयार करने की तैयारी में जुट गई है। लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद से उप्र में नंबर दो की हैसियत मिलने से मायावती को लगने लगा है कि पार्टी उपचुनाव में भी बहुत ज्यादा सीटों पर सफलता हासिल कर लेगी और अगले विधानसभा चुनाव में भी बाजी मार सकती है। लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानसभा के उपचुनाव में भी बसपा के लिए हारने को कुछ है नहीं, जीतने को सारा मैदान और लड़ने का भरपूर माद्दा भी है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की लहर और सपा-कांग्रेस गठबंधन से अकेले लोहा लेकर भी मायावती अपना 'बेस वोट' बचाने में सफल रहीं हैं। इसीलिए बसपा मुखिया ने गठबंधन के बैगर ही उपचुनाव में अकेले हाथ अजमाने की सोची है। बसपा प्रमुख मायावती के पास उपचुनाव की 11 में से कम से कम चार सीटों पर जीत की उम्मीदें सजाने का आधार जरूर है। राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि गठबंधन में दोनों दलों के बीच यह सहमति बनी थी कि सपा लोकसभा चुनाव में मायावती को प्रधानमंत्री के तौर पर पेश कर अपनी रजामंदी देगी, जबकि बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री के पद का समर्थन करेगी। बसपा केंद्र की राजनीति में रहेगी और सपा उप्र की सियासत को संभालेगी। इसीलिए गठबंधन भी बना था, लेकिन चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में आने से दोनों के मंसूबों पर पानी फिर गया।

हालांकि, भविष्य की राजनीति के लिए मायावती शायद अभी समीक्षा और संगठन की ताकत परखने के मूड में हैं। शायद इसीलिए उपचुनाव के लिए गठबंधन तोड़ने के बाद भी सपा से पूरी तरह ब्रेकअप न होने की बात कहकर फिर हाथ मिलाने का विकल्प खुला रखा है। उपचुनावों के नतीजे काफी हद तक एक इशारा कर ही देंगे कि अब अकेले सियासी सफर बसपा के लिए मुश्किल होगा या सामान्य। बसपा की इस समय विधानसभा में महज 19 सीटें हैं, जबकि पार्टी ने 403 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पिछले विधानसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था, जिसमें सपा को 47 और कांग्रेस को महज 7 सीटें ही मिली थीं। बसपा के नेताओं का कहना है कि उनके पास 2022 के चुनाव में रणनीति बनाने के लिए सही वक्त है। राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल कहते हैं कि उपचुनाव में बहुजन समाज पार्टी को अगर मजबूती मिलती है, तो उसके लिए 2022 विधानसभा का रास्ता आसान हो जाएगा। अभी हाल में आए परिणामों में बसपा को जो सफलता मिली है। वह उस उत्साह के साथ उपचुनाव में भाग लेने जा रही है।

अभी बसपा के पास 19 विधायक हैं। ऐसे में वह चाहते हैं कि उपचुनाव के माध्यम से जो विधायक बढ़ सके वह बढ़ा ले, क्योंकि अभी ताजा-ताजा उन्होंने लोकसभा में सफलता पाई है।

# सुस्त मॉनूसन बना चिंता का सबब, कृषि क्षेत्र में उत्पन्न हो सकती है समस्या

**नई दिल्ली ।**

इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मॉनसून नीति निर्माताओं के लिए चिंता का सबब बन गया है, क्योंकि इसमें न केवल एक सप्ताह की देरी हुई है, बल्कि इसके सुस्त और अनिश्चित रहने की भी संभावना है। इस वजह से कृषि क्षेत्र में संकट उत्पन्न हो सकता है। प्रमुख खरीफ फसल धान को भी नुकसान पहुंच सकता है, क्योंकि जून और जुलाई में कम बारिश होने की संभावना है। दालों जैसे अरहर, सोयाबीन और मोटे अनाज भी इससे प्रभावित हो सकते हैं।

पूर्व केंद्रीय कृषि सचिव टी. नंदकुमार ने कहा, ÷सिंचाई की सुविधा वाले पंजाब और हरियाणा को लेकर चिंता नहीं है। मुख्य चुनौती वर्षा पर निर्भर क्षेत्रों में छोटे और गरीब किसानों की आय सुरक्षा पर ध्यान देने की है।÷ कृषि मंत्रालय में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम मौजूदा स्थितियों से केंद्र को अवगत कराने के लिए लगातार राज्यों के संपर्क में हैं।

अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा, हमने उन्हें कम वर्षा होने की स्थिति में एहतियाती और उपचारात्मक उपाय के साथ तैयार रहने को कहा है। हालांकि इस बात को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है कि अगर बुवाई का पहला प्रयास असफल रहा तो राज्य सरकारों ने बीजों के पर्याप्त भंडार संरक्षित करके रखे हैं या नहीं। खाद्य मंत्रालय ने उत्पादन कम होने की आशंका में 50,000 टन प्याज की खरीद शुरू कर दी है, जो यह दिखाता है कि सरकार इस वर्ष अच्छी बारिश को लेकर आशान्वित नहीं है। मौसम की भविष्यवाणी करने वाली निजी वेबसाइट स्काईमेट ने किसानों को बुवाई की पारंपरिक तिथि को एक सप्ताह बढ़ाने का आग्रह किया है, क्योंकि मॉनसून की देरी होने की स्थिति में बारिश कम होने की संभावना है।

अगर बारिश होने के दो कालखंडों के बीच लंबा अंतर होता है तो इस बात की अत्यधिक संभावना है कि लगाए गए बीज मर जाएंगे। स्काईमेट ने मॉनसून के इस बार औसत से नीचे रहने - एलपीए का 93 प्रतिशत रहने की संभावना जताई है, जिससे पूर्वी भाग और मध्य भाग के अधिकतर हिस्सों में बारिश कम होने की संभावना है। देश में औसत या सामान्य बारिश को मॉनसून के पूरे चार माह के 50 वर्ष के औसत के आधार पर 96 से 104 प्रतिशत के बीच माना जाता है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने एलपीए का 95 प्रतिशत यानी लगभग सामान्य बारिश की संभावना जताई है। मॉनसून के सामान्य या इससे ज्यादा रहने की 51 प्रतिशत उम्मीद है, जबकि सामान्य से नीचे रहने की 49 प्रतिशत उम्मीद है। बारिश के मौसम के दूसरे भाग में अच्छी बारिश की उम्मीद है, क्योंकि अगस्त और सितंबर में सामान्य बारिश हो सकती है। हालांकि इस मौसम के कुल कम बारिश के समाप्त होने की संभावना है।

स्काईमेट के अनुसार, जून में बारिश होने की संभावना एलपीए का 77 प्रतिशत(164 मिलीमीटर), जुलाई में 91 प्रतिशत(289 मिलीमीटर), अगस्त में 102 प्रतिशत(261 मिलीमीटर), सितंबर में 99 प्रतिशत(173 मिलीमीटर) है। स्काईमेट ने अनुमान

लगाया है कि इसबार खरीफ मौसम में धान का उत्पादन घटकर 9.78 करोड़ टन रहने की संभावना है, जबकि पिछले वर्ष इसका उत्पादन 10.20 करोड़ टन था। नंदकुमार ने आशंका जताई है कि महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र, तेलंगाना, बिहार और झारखंड के करीब 100 जिलों में बारिश कम हो सकती है।

संपादकीय

# अलविदा कारनाड

गिरीश कारनाड नहीं रहे। नई पीढ़ी के लोग शायद आपसे नहीं पूछेंगे कि गिरीश कारनाड कौन, क्योंकि उन्हें सलमान खान की फिल्म टाइगर जिंदा है का खुफिया अधिकारी अच्छी तरह याद है। बहुत पुरानी पीढ़ी के लोग उन्हें उनके तुगलक, हयवदन जैसे ढेर सारे नाटकों या मालगुडी डेज सीरियल में उनके अभियन के लिए आज भी याद करते हैं। और इन दोनों पीढ़ियों के बीच की जो पीढ़ी है, उसके पास गिरीश कारनाड को याद करने के लिए बहुत कुछ है। फिल्म इकबाल के क्रिकेट को जिसने देखा है, वह भला उसे कैसे भूल सकता है? गिरीश कारनाड की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि जब मनोरंजन की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है और पुराने लोगों की विस्मृति दर नए लोगों की आगमन दर से कहीं ज्यादा है, उस माहौल में भी उन्होंने अपने आप को लगातार तीन पीढ़ियों तक प्रासंगिक बनाए रखा। नाटक, सिनेमा और सार्वजनिक जीवन के कई दशक हैं, जिनमें वह न कभी पुराने पड़े और न कभी उन्होंने अपना महत्व ही खोया। उन्होंने न सिर्फ तीन पीढ़ियों को जोड़ा, बल्कि लेखन, मंचन और फिल्म जैसी कलाओं को भी हमेशा एक साथ साधे रखा। ऐसा नहीं हुआ कि निर्देशन करने लगे, तो नाट्य लेखन छोड़ दिया या फिल्मों में सक्रिय हुए, तो रंगमंच को हमेशा के लिए अलविदा बोल दिया। अपने अंतिम दिनों तक वह लगातार तीनों कलाओं को साधते रहे और लगातार अपने को मांजते रहे। वह आजादी के बाद की उस पीढ़ी के महत्वपूर्ण स्तंभ थे, जिन्होंने देश के रंगमंच को एक भारतीय मुहावरा दिया और उसे पश्चिमी तेवर से मुक्ति दिलाई। इस पीढ़ी के चार प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं– मोहन राकेश, विजय तेंदुलकर, बादल सरकार और गिरीश कारनाड। ये चारों न सिर्फ हिंदी, मराठी, बांग्ला और कन्नड़ जैसे देश के अलग-अलग भाषाई समाजों का प्रतिनिधित्व करते थे, बल्कि एक तरह से रंगमंच की दुनिया में भारत के पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण को जोड़ भी रहे थे। इन चारों के ही नाटक न सिर्फ पूरे देश में मंचित हुए और देखे गए, बल्कि लगभग सभी भाषाओं में इनका अनुवाद भी हुआ। आजादी से पहले जन्मे इन चारों कलाकारों में सबसे युवा गिरीश कारनाड ही थे और लंबा सक्रियता काल भी उन्हीं का रहा। बाकी तीनों के मुकाबले फिल्मों से सबसे लंबा जुड़ाव भी उन्हीं का रहा। उनकी पहली फिल्म कन्नड़ भाषा की संस्कार 1970 में रिलीज हुई थी और आखिरी फिल्म टाइगर जिंदा है 2017 में। अभिनय के क्षेत्र में भी वह बाकी तीनों के मुकाबले सबसे ज्यादा सक्रिय रहे और इसीलिए लोकप्रियता भी सबसे ज्यादा शायद उन्हीं को मिली। कारनाड उन कलाकारों में थे, जिन्होंने अपनी सक्रियता को सिर्फ अपनी कला और रचना-कर्म तक सीमित नहीं रखा। साहित्य, नाटकों और फिल्मों के जरिये उन्होंने जिन मूल्यों को दिया, उन्हें जिया भी। कभी इसकी परवाह नहीं थी कि कौन उनसे सहमत है और कौन असहमत, जो ठीक लगा, उसे कहने और अपना विरोध दर्ज कराने से वह कभी चूके नहीं। सोमवार को जब उनके निधन की खबर आई, तो उनकी दो साल पुरानी वह तस्वीर दिखने लगी, जिसमें वह 'मी टू अरबन नक्सल' का प्लेकार्ड लिए प्रदर्शन कर रहे थे, तब उनका स्वास्थ्य काफी खराब था और नाक में सांस लेने के लिए ऑक्सीजन की नली लगी थी। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो हमारी यादों में हमेशा दर्ज रहेंगे।

## ट्वीट

### मशाल

**साहित्य को हमेशा राजनीति के आगे मशाल लेकर चलना चाहिए -मुंशी प्रेमचंद**

**गिरीश कर्नाड उन लेखकों-कलाकारों में रहे जिन्होंने साहित्य-कला को राजनीति के आगे मशाल लेकर चलनेवाला बनाने की कोशिश की। जरूरत पड़ने पर वे सड़क पर आने में नहीं हिचके। उनका एक्टिविज्म उनके लेखन-कला का विस्तार था।**

**आनंद प्रधान, विश्लेषक**

# सिन्धु समझौते को हथियार बनाए भारत

भरत झुनझुनवाला

नये विदेश मंत्री जयशंकर के सामने प्रमुख चुनौती पाकिस्तान के साथ संबंधों को सुधारने की है। हमने पाकिस्तान को आर्थिक दृष्टि से घेरने का प्रयास किया था। पिछली एनडीए सरकार ने पाकिस्तान से आने वाले माल पर आयात कर में वृद्धि की थी। लेकिन यह पाकिस्तान को भारी नहीं पड़ रहा है, चूंकि पाकिस्तान के कुल निर्यातों में केवल 1.4 प्रतिशत भारत को जाते हैं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब और चीन से मदद लेने में सफलता हासिल की है। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी उसे मदद दी है। अतः हमारी आर्थिक मोर्चेबंदी सफल नहीं हुई है। ऐसे में जयशंकर के सामने पाकिस्तान को घेरने के उपाय सीमित हैं। यह सही है कि भारत ने अमेरिका के साथ अच्छे सम्बन्ध बनाकर पाकिस्तान पर दबाव डलवाया है लेकिन यह भी सही है कि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा पाकिस्तान को आर्थिक मदद दी गयी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में अमेरिका का वर्चस्व है। अतः मुद्रा कोष द्वारा पाकिस्तान को मदद देना बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर नहीं करना चाहता है। इस दुरूह परिस्थिति में हमें सिन्धु जल समझौते पर पुनः विचार करना चाहिए। स्वतंत्रता के शीघ्र बाद प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच समझौता हुआ था कि सिन्धु घाटी की 6 नदियों में से 3 नदियों के जल पर भारत का अधिकार होगा और 3 नदियों पर पाकिस्तान का अधिकार होगा। पाकिस्तान के कोटे में सिन्धु, चिनाब और झेलम नदियां डाली गयी थीं। इनके द्वारा पाकिस्तान को हर वर्ष 8 करोड़ एकड़ फुट जल पहुंचाया जाता है। एक एकड़ भूमि पर यदि एक फुट पानी रखा जाए तो उस पानी को एक एकड़ फुट कहा जाता है। इसके विपरीत भारत को ब्यास, रावी और सतलुज नदी आवंटित की गयी। लेकिन भारत इन नदियों के सम्पूर्ण जल का उपयोग करने में सफल नहीं हुआ है। आज भी इन नदियों का 3.3 करोड़ एकड़ फुट पानी पाकिस्तान को बह रहा है। इस प्रकार पाकिस्तान को वर्तमान में 11.3 करोड़ एकड़ फुट पानी भारत की भूमि से बहकर मिल रहा है। पाकिस्तान में कुल पानी की उपलब्धता 14.5 करोड़ एकड़ फुट है। यानी पाकिस्तान को उपलब्ध पानी में से लगभग 80 प्रतिशत पानी भारत से मिल रहा है। आश्चर्य की बात है कि भारत पर इतना परावलम्बी होने के बावजूद पाकिस्तान हमारे विरुद्ध आतंकियों को पोषित कर रहा है। बीती एनडीए सरकार ने ब्यास, रावी और सतलुज नदियों के भारत के कोटे के 3.3 करोड़ एकड़ फुट पानी का भारत में ही उपयोग करने के कदम उठाये हैं और आशा की जा सकती है कि वर्तमान सरकार के समय यह पानी हम पूरी तरह से उपयोग कर सकेंगे। तब यह पानी पाकिस्तान को मिलना बंद हो जायेगा। इससे पाकिस्तान की समस्या बढ़ेगी क्योंकि वर्तमान में 11.3 करोड़ एकड़ फुट पानी जो सिन्धु घाटी के माध्यम से उसको मिल रहा है, उसकी तुलना में आने वाले समय में केवल 8 करोड़ एकड़ फुट पानी मिलेगा। फिर भी पाकिस्तान का रवैया सुधरता नहीं दिख रहा है।

इस परिस्थिति में हमें सिन्धु जल समझौते को रद्द करने पर विचार करना चाहिए। यदि हम इस समझौते को रद्द कर दें और सिन्धु, चिनाब और झेलम के पानी को भी रोक लें तो पाकिस्तान बहुत शीघ्र ही घुटने टेक देगा। समस्या यह है कि सिन्धु जल समझौते में व्यवस्था दी गयी है कि उस समझौते में कोई भी परिवर्तन आपसी सहमति से ही किया जाएगा और मतभेद होने पर विश्व बैंक की मध्यस्थता की पहल की जायेगी। इस प्रावधान के अनुसार हम एकतरफा कार्यवाही से समझौते को रद्द नहीं कर सकते। लेकिन क़ानून का एक मूल सिद्धांत है कि क़ानून की विवेचना उसकी प्रस्तावना के मद्देनज़र की जाती है। जिस उद्देश्य से कानून बनाया गया है, उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ही क़ानून की विवेचना की जानी चाहिए। सिन्धु जल समझौते की प्रस्तावना में लिखा गया है कि आपसी सौहार्द और मित्रता की भावना से पाकिस्तान और भारत इस समझौते में प्रवेश कर रहे हैं। हमने जो सिन्धु, चिनाब और झेलम नदियों का पानी पाकिस्तान को देना स्वीकार किया, उसका उद्देश्य था कि पाकिस्तान और भारत के बीच सौहार्द और मित्रता बनी रहेगी। यदि पाकिस्तान ने यह सौहार्द और मित्रता ही नहीं बनायी है और हमारे विरुद्ध आतंकवाद को पोषित कर रहा है तो इस बदली हुई परिस्थिति में समझौते का औचित्य ही नहीं रह जाता है। अतः हम इस समझौते को पूरी तरह रद्द कर सकते हैं। ध्यान दें कि जब हम समझौते के अंतर्गत कुछ सुधार करना चाहें यानी समझौते को स्वीकार करते हुए उसमें परिवर्तन करना चाहें तो आपसी सहमति जरूरी है। लेकिन यदि हम समझौते को ही रद्द करते हैं तो उसके साथ वह धारा भी रद्द हो जाती है, जिसमें आपसी सहमति की बात की गयी है। इसलिए समझौते को रद्द करने में आपसी सहमति की धारा बीच में नहीं आती है। यदि हम समझौते को तत्काल रद्द न करना चाहें तो भी पाकिस्तान को नोटिस देकर विश्व बैंक की मध्यस्थता तो मांग ही सकते हैं। हम कह सकते हैं कि हम इस समझौते को रद्द करना चाहते हैं क्योंकि इससे आपसी सौहार्द और मित्रता स्थापित नहीं हो रही है और विश्व बैंक से कहें कि वह मध्यस्थता करे और उस मध्यस्थता में यदि सफलता नहीं मिलती है तो हम इस संधि को रद्द कर सकते हैं। ध्यान दें कि विश्व बैंक की मध्यस्थता यदि सफल नहीं होती है तो उस हालत में क्या किया जाएगा, इसका कोई विवरण सिन्धु जल संधि में नहीं दिया गया है। यदि विश्व बैंक की मध्यस्थता असफल होती है तो हम इस जल संधि को रद्द करने के हकदार बनते हैं। हमें इस दृष्टि से राष्ट्रपति ट्रंप से सबक लेना चाहिए। अमेरिका ने कनाडा और मेक्सिको के साथ नाफ्टा नाम का मुफ्त व्यापार समझौता कर रखा था। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह समझौता हमारे पक्ष में नहीं है और उसे एकतरफ़ा रद्द कर दिया। फलस्वरूप मेक्सिको तथा कनाडा ने अमेरिका के साथ दुबारा वार्ता की और एक नया समझौता किया, जिसमें अमेरिका को लाभ हुआ। अतः हम भी यदि एकतरफ़ा सिन्धु जल समझौते को रद्द कर देते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि वार्ता के रास्ते बंद हो जाते हैं। लेकिन इसका यह अर्थ जरूर है कि पाकिस्तान को समझ आएगा और विश्व समुदाय को भी समझ में आएगा कि भारत के द्वारा अपने इतने जल को देने के बावजूद पाकिस्तान किस प्रकार का व्यवहार हमारे साथ कर रहा है। इस प्रकार हम पाकिस्तान पर आतंकवाद को समाप्त करने का दबाव बनाने में सफल होंगे। लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

## कामना

ओशो/ कल्पना कामना नहीं है, मात्र एक खेल है। कामना तो बिलकुल अलग बात है। लेकिन तुम अपनी कल्पना को कामना पर आधारित कर सकते हो, तुम अपनी कामना को कल्पना द्वारा प्रक्षेपित कर सकते हो, तब वह बंधन हो जाएगी। कल्पना की ये विधियां केवल तभी सहयोगी हो सकती हैं यदि तुम उनके साथ खेलो। यदि तुम गंभीर हो गए तो सारी बात ही चूक गए। लेकिन प्रश्नसंगत है। क्योंकि वास्तव में, तुम सोच ही नहीं सकते कि बिना कामना के कुछ किया जा सकता है। हम इतने परिणामोन्मुख हैं कि हर चीज को साधन बना लेते हैं। इसे स्मरण रखना चाहिए- ध्यान तो परम लीला है, कुछ पाने के लिए, साधन नहीं है, ध्यान बुद्धत्व पाने के लिए साधन नहीं है। ध्यान से बुद्धत्व घटता है, लेकिन ध्यान उसके लिए साधन नहीं है। न ही ध्यान मोक्ष के लिए साधन है। मोक्ष उससे घटता है, लेकिन ध्यान उस के लिए साधन नहीं है। तुम ध्यान का किसी फल की प्राप्ति के लिए उपयोग नहीं कर सकते। यह बड़ी हैरानी की बात है कि जिन्होंने भी जाना है, वे सदियों से ध्यान के लिए ही ध्यान करने पर जोर देते रहे हैं। उससे कुछ पाने की कामना मत करो, उसका आनंद लो, उससे बाहर कोई लक्ष्य मत बनाओ। और बुद्धत्व उसका परिणाम होगा। स्मरण रखो, परिणाम, फल नहीं। ध्यान कोई कारण नहीं है, लेकिन ध्यान में तुम गहरे डूबते हो तो बुद्धत्व घट जाता है। असल में, इस खेल में गहरे डूब जाना ही बुद्धत्व है। लेकिन मन हर चीज को कार्य बना लेता है। मन कहता है, कुछ करो क्योंकि उससे यह लाभ होगा। काल्पनिक या वास्तविक, मन को कुछ चाहिए जिससे सहारा मिल सके, जिसे मन प्रक्षेपित कर सके। केवल तभी मन चल सकता है। मन भविष्य के लिए वर्तमान में काम करता है। भविष्य के लिए वर्तमान में काम करने को ही कामना कहते हैं। यदि तुम खेल रहे हो तो वह कोई कामना नहीं है, क्योंकि उसमें साधन भी यहीं है और साध्य भी यहीं है। खेलते समय कोई भविष्य नहीं होता; तुम उसमें इतने लीन हो जाते हो कि भविष्य समाप्त हो जाता है। खेलते हुए बच्चों को देखो। उनके चेहरों को, उनकी आंखों को देखो। वे सुखी हैं, क्योंकि वे खेल रहे हैं। ध्यान में तुम पुन- एक बच्चे हो जाओगे। फिर कल्पना कामना नहीं रहती। तब तुम कल्पना के साथ खेल सकते हो, तब वह सुंदरतम घटनाओं में से एक हो जाती है। और यह खेल, यह पूरी तन्मयता से इस क्षण में होना ही बुद्धत्व है। जिस क्षण यह घटित होता है तुम रूपांतरित हो जाते हो। तो बुद्धत्व कभी भविष्य में नहीं होता, सदा वर्तमान में होता है; और वह कोई कार्य नहीं है जिसे करना है, वह तो खेल है जिसे खेलना है।

# आज का राशिफल

**मेष** — आर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**वृषभ** — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

**मिथुन** — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

**कर्क** — व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

**सिंह** — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**कन्या** — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**तुला** — व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**वृश्चिक** — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**धनु** — व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

**मकर** — पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

**कुम्भ** — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

**मीन** — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

# लेखन की कमाई से आजादी की लड़ाई

कृष्ण प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में वीर माता मूलारानी और पिता मुरलीधर के घर 11 जून, 1897 को जन्मे और 19 दिसम्बर, 1927 को गोरखपुर की जेल में शहीद हुए क्रांतिकारी रामप्रसाद 'बिस्मिल' के बहुआयामी व्यक्तित्व में संवेदनशील कवि/शायर, साहित्यकार व इतिहासकार के साथ-साथ एक बहु भाषा-भाषी अनुवादक का भी निवास था। वर्ष 1915 में ऐतिहासिक 'गदर कांड' में भाई परमानंद को फांसी की सजा सुनाये जाने से उद्वेलित होकर ब्रिटिश साम्राज्य के समूल विनाश की प्रतिज्ञा कर बिस्मिल क्रांतिकारी बने तो इसके लिए जरूरी हथियार उन्होंने अपनी पुस्तकों की बिक्री से प्राप्त रुपयों से ही खरीदे थे। लेखन या कवि कर्म के लिए बिस्मिल के अलावा उनके दो और उपनाम थे-राम और अज्ञात। 30 साल के जीवनकाल में उनकी कुल मिलाकर 11 पुस्तकें प्रकाशित हुईं जो जब्त कर ली गयी थीं। बिस्मिल को शहादत भले ही क्रांतिकारी आन्दोलन के लिए धन जुटाने की कवायद के तौर पर ऐतिहासिक काकोरी स्टेशन के पास सरकारी खजाना कब्जाने के मामले में हासिल हुई, 'मैनपुरी षड्यंत्र' में भी उनकी कुछ कम भूमिका नहीं थी। वहां औरैया के प्रसिद्ध क्रांतिकारी पंडित गेंदालाल दीक्षित के साथ पैदल सैनिकों के अलावा घुड़सवारों व हथियारों से सम्पन्न 'मातृदेवी' संगठन के बैनर पर बिस्मिल ने अंग्रेजों के खिलाफ जो सशस्त्र संघर्ष चलाया, उसमें एक मुकाबले में पचास गोरे सैनिक मारे गये थे। इस मुकाबले के लिए बिस्मिल व दीक्षित दोनों ने मैनपुरी, इटावा, आगरा व शाहजहांपुर आदि जिलों में गुपचुप अभियान चलाया और जोशीले युवकों को देश की आन पर मर मिटने के लिए संगठित किया था। एक देशघाती मुखबिर के अंग्रेजों से जा मिलने के कारण यह मुकाबला सफल नहीं हो सका, 35 क्रांतिकारी भी देश के काम आ गये और बिस्मिल को दो वर्षों के लिए भूमिगत हो जाना पड़ा। उन्हें गिरफ्तार करने की गोरी पुलिस की तमाम कोशिशें विफल हो जाने के बाद बिस्मिल 1918 में दिल्ली में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन में क्रांतिकारी साहित्य बेचने पहुंच गये। वहां अचानक पुलिस का छापा पड़ा तो उन्होंने पहले तो भागने कोशिश की लेकिन मुठभेड़ अपरिहार्य हो गयी और बचाव का कोई और तरीका नहीं दिखा तो यमुना में कूद गये। उन्होंने रामपुर जागीर नाम के एक छोटे से गांव में शरण ली और 'बोल्शेविको की करतूत' नाम से एक उपन्यास के लेखन में लग गये। बिस्मिल शाहजहांपुर वापस लौट आये और कांग्रेस के 1920 में कलकत्ता और 1921 में अहमदाबाद में हुए अधिवेशनों में हिस्सा लिया। बताते हैं कि अहमदाबाद के अधिवेशन में मौलाना हसरत मोहानी के साथ मिलकर कांग्रेस की साधारण सभा में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित करवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और शाहजहांपुर लौटकर उसके 'असहयोग आन्दोलन' को सफल बनाने में लग गये लेकिन चौरी-चौरा कांड के बाद अचानक असहयोग आन्दोलन वापस ले लिया गया तो उनका कांग्रेस के आजादी के अहिंसक प्रयत्नों से मोह भंग हो गया। बिस्मिल ने चंद्रशेखर 'आजाद' के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के साथ गोरों के सशस्त्र प्रतिरोध का नया दौर आरम्भ किया। लेकिन सवाल था कि इस प्रतिरोध के लिए शस्त्र खरीदने को धन कहां से आये? इसी का जवाब देते हुए उन्होंने नौ अगस्त, 1925 को अपने साथियों के साथ काकोरी में सरकारी खजाना लूटा तो थोड़े ही दिनों बाद 26 सितम्बर, 1925 को पकड़ लिये गये। मुकदमे के नाटक के बाद अशफाक उल्लाह खान, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी और रोशन सिंह के साथ उन्हें फांसी की सजा सुना दी गयी। 1927 में 19 दिसम्बर को

अपनी सजा पर अमल के दिन सरफरोशी की तमन्ना रखने वाले बिस्मिल ने तो बखूबी 'बाजू-ए-कातिल' का जोर देखा ही, कहते हैं कि उनकी माता मूलारानी ऐसी वीर माता थीं जो शहादत से पहले उनसे मिलने गोरखपुर जेल पहुंचीं तो उनकी डबडबाई आंखें देखकर भी धैर्य नहीं खोया। उनके साथ क्रांतिकारी शिव वर्मा भी थे, जिन्हें वे अपना भानजा बताकर लिवा गयी थीं। माता ने फौरन शिव को आगे करके कहा था-यह तुम्हारी पार्टी का आदमी है। पार्टी के लिए कोई संदेश देना हो तो इससे कह सकते हो। जीवनयापन के लिए उन्हें अपना शाहजहांपुर स्थित घर और कभी बड़े लाड़ से बिस्मिल के लिए बनवाये सोने के बटन बेच देने पड़े। इसके आगे का जीवन भी कलपते और भटकते हुए उन्होंने इस याद के सहारे काटा कि बिस्मिल के रूप में वे राम जैसा पुत्र चाहती थीं, वह पैदा हुआ तो इसीलिए उन्होंने उसका नाम भी राम रखा था! बिस्मिल की दादी को भी उनकी शहादत की कीमत चुकानी पड़ी थी। निर्धनता के दिनों में उन्हें धार्मिक आस्था वाले लोगों के उस दान पर निर्भर करना पड़ा था जो एकादशी आदि पर शहीद की दादी नहीं, ब्राह्मणी होने के चलते उन्हें मिल जाता था।

## 2011 से 2017 में सिर्फ 4.5 फीसद रही GDP ग्रोथ, बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया आंकड़ाः अरविंद सुब्रमण्यन

**नई दिल्ली ।**

देश में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों पर जारी विवाद और आरोपों-प्रत्यारोपों के बीच पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया कि 2011-12 और 2016-17 के बीच देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। इस दौरान विकास दर 2.5 फीसदी बढ़ाकर पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि 2011 और 2016 के दौरान जीडीपी में 6.9 फीसदी नहीं, बल्कि 3.5 फीसदी और 5.5 फीसदी वास्तविक ग्रोथ रही। उनका कहना है कि देश के अंदर तरह-तरह के सबूत हैं जिससे पता चलता है कि भारत की विकास दर 2011 के बाद प्रत्येक साल 2.5 फीसदी प्वाइंट्स बढ़ाकर पेश की गई है। इस दौरान जीडीपी में 7 फीसदी नहीं, बल्कि सिर्फ 4.5 फीसदी की बढ़त हुई है। **CSO** के आंकड़ों से पता चला है कि 2018-19 की चौथी तिमाही में आर्थिक विकास गर पांच साल के निचले स्तर 5.8 फीसदी पर आ गई, जो कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण भारत को चीन से पीछे धकेल रहा है। एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार, सुब्रमण्यन ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च पेपर में यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि जीडीपी के लेखा-जोखा में काफी फर्क है। इसमें सबसे ज्यादा गड़बड़ी अंतर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ के आंकड़ों को लेकर हुई है। 2011 के पहले राष्ट्रीय खाते में जिस मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू को जोड़ा जाता था, उसे औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (**IIP**), मैन्युफैक्चरिंग निर्यात जैसे विनिर्माण घटकों से सख्ती से जोड़कर देखा जाता था. लेकिन इसके बाद ऐसा नहीं हो रहा है। अरविंद सुब्रमण्यम ने देश के आर्थिक विकास के लिए बनाई जाने वाली नीतियों पर भी सवाल उठाए हैं। सुब्रमण्यम के अनुसार, भारतीय पॉलिसी ऑटोमोबाइल एक गलत, संभवत टूटे हुए स्पीडोमीटर से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सुझाव दिया है कि जीडीपी के आकलन को एक स्वतंत्र कार्यबल द्वारा संशोधित किया जाए, जिसमें नेशनल और इंटरनेशनल एक्सपर्ट, सांख्यिकीविद (**statisticians**), माइक्रो आर्थशास्त्री और नीति उपयोगकर्ता शामिल हों। सुब्रमण्यन का विश्लेषण 17 प्रमुख आर्थीक संकेत के आधार पर है, जिनका जीडीपी ग्रोथ से सीधा संबंध होता है।

## बैंक अकाउंट में जीरो बैलेंस वालों के लिए RBI का बड़ा कदम, मिलेंगी ये सुविधाएं

**नई दिल्ली।**

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक को खत्म हुए काफी समय हो गया है। इस बैठक के बाद आरबीआई ने कई बड़े ऐलान किए हैं। आरबीआई के इन बड़े ऐलानों का सिलसिला अभी भी जारी है। सोमवार को आरबीआई ने बेसिक बचत और जमा (बीएसबीडी) खातों से जुड़े नियमों में बदलाव करते हुए खाताधारकों को कई सुविधाओं का तोहफा दिया है।

**रिजर्व बैंक ने नियमों में किया बदलाव**

रिजर्व बैंक के नियमों में बदलाव करने के बाद से अब बेसिक खाताधारक भी चेकबुक और अन्य सुविधाएं ले सकेंगे। साथ ही बैंक इन सुविधाओं के लिए खाताधारकों को कोई न्यूनतम राशि रखने के लिए नहीं कह सकते हैं। रिजर्व बैंक के नए नियमों के अनुसार अब खाताधारक हर महीने में

कम से कम 4 बार धन की निकासी की सुविधा को भी पा सकेंगें।

**मिनिमम बैलेंस रखने नहीं होगा जरूरी**

इन नए नियमों को जारी करते हुए रिजर्व बैंक ने सभी बैंको से कहा है कि इन नियमों में छूट का फायदा हर ग्राहक तक जल्द से जल्द पहुंचाना चाहिए। बता दें कि अभी इन खाताधारकों के चेकबुक जैसी अतिरिक्त सुविधा लेने पर बेसिक बचत खाता सामान्य खाते में बदल जाता है और ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस रखने के लिए बाध्य होना पड़ता है। साथ ही कई तरह के चार्ज भी देने पड़ते हैं।

**जमा करने की नहीं होगी कोई सीमा**

इन खाताधारकों को महीने में चार बार बिना शुल्क धन निकासी की सुविधा मिलेगी, जिसमें एटीएम से निकासी भी शामिल होगी। हालांकि, जमा करने की कोई सीमा नहीं रखी गई है।

## लंदनः नीरव मोदी की जमानत याचिका पर सुनवाई शुरु

**लंदनः** पंजाब नेशनल बैंक को करोड़ों रुपए का चूना लगाने वाला भगोड़ा नीरव मोदी इस समय लंदन की जेल में बंद है। उसने चौथी बार जमानत की अर्जी दाखिल की है। उसके मामले पर इंग्लैंड एंड वेल्स की उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सुनवाई शुरू की। वेस्टमिंस्टर मैजिस्ट्रेस कोर्ट ने तीन बार उसकी जमानत याचिका को खारिज किया है। इसी अदालत में उसे भारत प्रत्यर्पित करने के मामले की सुनवाई चल रही है। वह आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों का सामना कर रहा है। मोदी पश्चिम लंदन की वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। उसे आखिरी बार आठ मई को मुख्य न्यायाधीश एम्मा आरबुथनोट ने फ्लाइट रिस्क (किसी शख्स के देश छोड़कर चले जाने का अंदेशा) के कारण जमानत देने से मना कर दिया था। इसके अलावा कथित धोखाधड़ी का पैमाना, पैसे तक पहुंच, संभावित रूप से गवाहों को प्रभावित करना और सबूतों को नष्ट करने के आधार पर भी जमानत नहीं दी गई थी। नीरव की टीम ने मैजिस्ट्रेट कोर्ट में दो मिलियन पाउंड की सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा जमा राशि) देने और सख्त नियमों का पालन करने की पेशकश की थी। जिसमें 24 घंटे का कर्फ्यू भी शामिल है लेकिन इसके बावजूद उसे जमानत देने से अदालत ने इनकार कर दिया था। इससे पहले 30 मई को लंदन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में नीरव की जमानत पर कोई चर्चा नहीं हुई थी और कोर्ट ने उसकी न्यायिक हिरासत 27 जून तक बढ़ा दी थी। वेस्टमिंस्टर कोर्ट के तीन बार जमानत अर्जी खारिज करने के बाद नीरव के पास उच्च न्यायालय में अपील करने का अधिकार था। नीरव की लीगल टीम का कहान है कि हिरासत में उनके मुवक्किल का अनुभव बेहद डरावना है। वह अदालत द्वारा तय की गई किसी भी जमानत शर्तों का पालन करने को तैयार है क्योंकि वैंडस्वर्थ जेल में बंद होने के कारण मामले की प्रभावी तैयारियां लगभग असंभव बन गई है।

## ट्राई ने टाटा टेलीसर्विसेज को उपभोक्ताओं की बची राशि लौटाने का निर्देश दिया

**नई दिल्लीः**

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने टाटा टेलीसर्विसेज (टीटीएसएल) को प्रीपेड मोबाइल ग्राहकों की बची राशि तथा पोस्टपेड उपभोक्ताओं के सिक्योरिटी जमा को लौटाने का निर्देश दिया है। कंपनी द्वारा प्रशासनिक तरीके से आवंटित स्पेक्ट्रम को छोड़ने तथा 16 सर्किलों में सेवाएं बंद करने के बाद नियामक ने यह निर्देश दिया है। ट्राई ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में उपभोक्ताओं द्वारा अपने मोबाइल नंबर को पोर्ट करने से पहले शेष प्रीपेड राशि खर्च कर दी जाती लेकिन इस मामले में स्पेक्ट्रम को समय से पहले सरेंडर किए जाने की वजह से टीटीएसएल के सीडीएमए मोबाइल ग्राहकों को या तो पोर्ट करना पड़ा या अपने मोबाइल नंबर को गंवाना पड़ा। ऐसे में उन्हें प्रीपेड की बची हुई राशि और सिक्योरिटी के रूप में जमा राशि वापस नहीं मिली। ट्राई ने टीटीएसएल को पोर्ट किए गए मोबाइल नंबरों पर खर्च नहीं हुई प्रीपेड राशि को वापस लौटाने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। साथ ही ऐसे उपभोक्ता जिन्होंने टीटीएसएल द्वारा घोषित 'सनसेट% तिथि 28 फरवरी, 2019 के आगे सेवाएं नहीं ली हैं और वे अपने नंबर को पोर्ट नहीं कर पाए हैं उनके खाते में शेष बची राशि भी लौटाने का निर्देश दिया गया है। नियामक ने सोमवार को टीटीएसएल को निर्देश दिया कि वह सभी पोस्टपेड उपभोक्ताओं की सिक्योरिटी राशि का लौटाने की प्रक्रिया शुरू करे और 20 अगस्त, 2019 तक प्राधिकरण को लाइसेंस वाले सेवा क्षेत्रों के आधार पर अनुपालन की जानकारी दे।

## इंडियाबुल्स ने हेराफ़ेरी के आरोपों को विचित्र, छवि खराब करने की चाल बताया

**नई दिल्ली।**

इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस लिमिडेट (आईएचएफएल) ने उच्चतम न्यायालय में कंपनी के खिलाफ 98,000 करोड़ रुपए की हेराफ़ेरी के आरोप में दायर याचिका को सोमवार को विचित्र बताया। कंपनी ने कहा कि यह उसकी छवि को खराब करने और लक्ष्मी विलास बैंक के साथ उसके विलय में अड़ंगा डालने की चाल हो सकती है। इंडिया बुल्स ने सोमवार को बयान में कहा कि रिट याचिका आज ही दायर की गई है और न्यायालय ने इस पर कोई सुनवाई नहीं की है... इंडियाबुल्स हाउसिंग का कुल कर्ज ही करीब 90,000 करोड़ रुपए है जबकि 98,000 करोड़ रुपए के हेरफ़ेर का आरोप लगाया गया है। यह विचित्र है। कंपनी ने कहा कि याचिकाकर्ता अभय यादव ने कंपनी के सिर्फ चार शेयर खरीदे हैं और उनकी ओर से दायर याचिका कंपनी की छवि धूमिल करने की एक निराशापूर्ण प्रयास है। यादव ने याचिका में इंडियाबुल्स, उसके शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ जनता के 98,000 करोड़ रुपए की हेराफ़ेरी के आरोप में शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर कर कार्रवाई और जनता के पैसों की सुरक्षा की मांग की है। एजेंसी

## जी-5 ने एप्लीकास्टर के साथ किया गठजोड़

**तेल अवीव ।**

मीडिया और मनोरंजन जगत की प्रमुख कंपनी जी एंटरटेन्मेंट इंटरप्राइजेज लिमिटेड का ओटीटी डेस्टिनेशन व डिजिटल एंटरटेन्मेंट प्लेटफॉर्म 'जी-5' ने एप्लीकास्टर के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। एप्लीकास्टर मीडिया के क्षेत्र में मीडिया एप विकास व प्रबंधन के लिए एक अग्रणी ग्लोबल क्लाउड प्लेटफॉर्म है। पिछले सप्ताह इजरायल में भारत के राजदूत पवन कपूर की मौजूदगी में इस साझेदारी पर हस्ताक्षर हुए, जिसके तहत नई पीढ़ी के ओटीटी दर्शकों की पसंद और मौजूदा प्रवृत्ति के मद्देनजर जी-5 एप के पूरे इंटरफेस को नया स्वरूप देने पर बल दिया जाएगा। जी-5 उपयोगकर्ताओं को ज्यादा अनुभव दिलाने और अपने प्लेटफार्म को इंटेरेक्टिव बनाने के मकसद से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में बेतहर करने वाले इजरायल के स्टार्टअप के साथ काम कर रही है। उपयोगकर्ताओं की जरूरतों के अनुसार बेहतर विषय-वस्तु प्रदान करने के मकसद से जी-5 ने इजरायली कंपनी के साथ एक दर्जन से ज्यायदा एमओपी पर हस्ताक्षर किए हैं। जी-5 और एप्लीकास्टर के बीच साझेदारी से जी-5 के दुनियाभर में 6.15 करोड़ मासिक यूजर को उच्च गुणवत्ता के मनोरंजन का अनुभव मिलेगा। जी-5 लगातार अपने प्लेटफार्म को समृद्धि बनाने की कोशिश में जुटा है और अनेक औजारों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे दर्शकों को बेतहर अनुभव का अहसास हो। एप्लीकास्टर से जी-5 कीइ कार्यप्रणाी बेहतर होगी और दर्शकों को अच्छी विषय वस्तुएं मिलेंगी।

## दालों में लगी आग, अरहर दाल के दाम 100 रुपए के पार

**नई दिल्लीः**

आम आदमी को अब दाल की महंगाई सताने लगी है। देश की राजधानी दिल्ली के रिटेल मार्केट में अरहर दाल की कीमतें 100 से 120 रुपए प्रति किलो के भाव तक पहुंच गई है। कमोडिटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अरहर दाल की कीमतें उत्पादन में कमी की वजह से बढ़ी है। वहीं, इस साल एक्सपोर्ट भी बढ़ा है, इसीलिए कीमतों में तेजी है। हालांकि, सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार के पास दाल की कोई कमी नहीं है। कीमतें क्यों बढ़ रही है, इसकी जांच होगी। सरकार ने अफ्रीकी देश मोजाम्बिक से 1.75 लाख टन अरहर दाल के आयात की अनुमति दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2 लाख टन अरहर दाल आयात के लिए जल्द लाइसेंस जारी किए जाएंगे।

**सरकार करेगी जांच**

कंज्यूमर अफेयर्स सचिव अविनाश श्रीवास्तव ने बताया कि देश में अरहर की दाल पर्याप्त मात्रा में है। मौजूदा समय में करीब 14 लाख टन का बफर स्टॉक है। इसके बावजूद कीमतें क्यों बढ़ रही है। इसकी जांच जल्द की जाएगी।

**अरहर दाल क्यों हो रही है महंगी**

एक्सपर्ट्स का कहना है कि मांग बढ़ने से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अरहर दाल के दाम बढ़े हैं। साथ ही, दुनिया के बड़े अरहर दाल उत्पादक कई देशों में भी उत्पादन घटने के बाद कीमतों में तेजी आई है। भारत म्यांमार से अरहर की दाल खरीदता है। इससे पहले साल 2015 में पहली बार भाव 200 रुपए किलग्राम के पार पहुंच गया था। भारत के अलावा म्यांमार और कुछ अफ्रीकी देशों में ही अरहर दाल पैदा होती है। एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल देश में अरहर की दाल का 40 लाख टन से ज्यादा उत्पादन हुआ था। वहीं, इस साल ये 35 लाख टन के करीब है। पिछले खरीफ सीजन में अरहर दाल की बुआई कम हुई थी। इसके अलावा सरकार ने दालों के आयात पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। इस साल मानसून कमजोर रहने की संभावना से भाव चढ़े हैं।

आल इंडिया दाल मिलर्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट सुरेश अग्रवाल का कहना है कि दो महीने में इंपोर्टेड दाल भारत में आ जाएंगी। अगर आयात में देरी हुई तो दालों के दाम और ऊपर जाएंगे।

## कैडबरी ने बाजार में उतारी 30 प्रतिशत कम चीनी वाली चॉकलेट

**नई दिल्ली।** चॉकलेट निर्माता कंपनी कैडबरी डेयरी मिल्क ने 30 प्रतिशत कम चीनी वाली चॉकलेट बाजार में उतारी है। मान्डेलीज इंडिया के अध्यक्ष दीपक अय्यर ने 30 प्रतिशत कम चीनी वाली चॉकलेट को बाजार में पेश करते हुए कहा कि इसमें किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कृत्रिम मीठा नहीं होगा। अय्यर ने कहा कि कंपनी अपने ग्राहकों को बेहतर उत्पाद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है और नई चॉकलेट इसी श्रृंखला का नया उत्पाद है। कंपनी चॉकलेट के स्वाद को निरंतर बेहतर बनाने पर जोर दे रही है। नई चॉकलेट स्वाद की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता किए बिना कम शक्कर वाला विश्व स्तरीय उत्पाद है। कंपनी के चॉकलेट विपणन विभाग के निदेशक अनिल विश्वनाथन ने कहा कि मांडेलीज लोगों के स्वाद और उनकी पसंद के लिए लगातार तत्पर रहती है। नए उत्पाद में चीनी 30 प्रतिशत कम है और इसमें किसी प्रकार का कृत्रिम मीठा या रंग इस्तेमाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी ग्राहकों के लिए कैडबरी की चॉकलेट का स्वाद बरकरार रखते हुए वही स्वाद, वही मिठास ब्रांड प्रस्ताव पर केंद्रित रहेगा। -एजेंसी

## शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 166 अंक और मजबूत

**मुंबईः**

शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला कायम रहा। सकारात्मक वैश्विक रुख के बीच बैंक, धातु और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 166 अंक और मजबूत हुआ। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान 300 अंक तक चढ़ने के बाद अंत में 165.94 अंक या 0.42 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,950.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 40,066.31 अंक के उच्च स्तर तक भी गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 42.90 अंक या 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,965.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 12,000.35 अंक का उच्च स्तर भी छुआ। यह 11,904.35 अंक के निचले स्तर तक भी आया। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, ओएनजीसी, यस बैंक, इंडसइंड बैंक और वेदांता के शेयर 2.71 प्रतिशत तक चढ़ गए। वहीं दूसरी ओर सनफार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, कोल इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर में तीन प्रतिशत तक की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में शंघाई कम्पोजिट 2.58 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 0.76 प्रतिशत, जापान का निक्की 0.33 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.59 प्रतिशत के लाभ में रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी लाभ में चल रहे थे। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे की बढ़त के साथ 69.44 प्रति डॉलर पर था। ब्रेंट कच्चा तेल वायदा मामूली टूटकर 62.24 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

**इन शेयरों में तेजी का माहौल**

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में स्ट्रैच, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड, जिंदल स्टेनलैस हिसार लिमिटेड, जेनसार टेक्नोलॉजी लिमिटेड, थर्मेक्स लिमिटेड में तेजी की माहौल है। निफ्टी में ब्रिटानिया, टेक महिंद्रा, टीसीएस, डॉ. रेड्डीज लैब, इंफोसिस में तेजी का माहौल है।

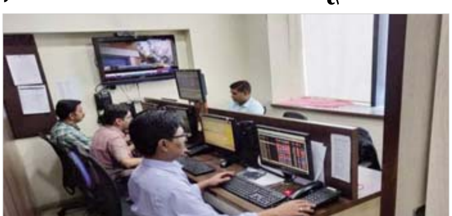

**इन शेयरों में मंदी का माहौल**

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में जेट एयरवेज, इंडियाबुल्स इंटीग्रेटिड सर्विसेज लिमिटेड, पीसी ज्वैलर्स, रिलायंस पावर, लक्ष्मी विलास बैंक में मंदी का माहौल है। निफ्टी में बीपीसीएल, यस बैंक, कोल इंडिया, गेल, आईओसी में मंदी का माहौल है।

### संक्षिप्त समाचार

## सोना-चांदी एक सप्ताह के निचले स्तर पर

**नई दिल्लीः** वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में गिरावट के दबाव में मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 360 रुपए लुढ़ककर एक सप्ताह से अधिक के निचले स्तर 33,370 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। चांदी भी 290 रुपए फिसलकर 37,560 रुपए प्रति किलोग्राम बिकी। लंदन तथा न्यूयॉर्क से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को वहां सोना एक प्रतिशत से अधिक टूटा था जिसका असर आज यहां स्थानीय बाजार पर देखा गया। विदेशों में मंगलवार को भी पीली धातु पर दबाव रहा। सोना हाजिर 4.88 डॉलर लुढ़ककर 1,323.25 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा दो डॉलर की गिरावट में 1,327.30 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका और मेक्सिको के बीच व्यापार युद्ध समाप्त करने की सहमति बनने से सुरक्षित निवेश के रूप में सोने का आकर्षण कम हुआ है। इससे इसमें तेजी देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर भी 0.01 डॉलर की गिरावट में 14.67 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

## मंदी की चपेट में आटो इंडस्ट्री, सरकार से लगाई मदद की गुहार

**नई दिल्ली** – घरेलू बिक्री में मई में लगातार छठे महीने गिरावट के बाद वाहन उद्योग ने कहा है कि यह स्वीकार करने का समय आ गया है कि वास्तव में आर्थिक मंदी की स्थिति है और सरकार को वाहनों की बिक्री बढ़ाने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप करना चाहिये। वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम द्वारा मंगलवार को यहाँ जारी आँकड़ों के अनुसार मई में यात्री वाहनों की बिक्री 20.55 प्रतिशत घटकर 2,39,347 इकाई रह गई। पिछले साल मई में यह आँकड़ा 3,01,238 रहा था। वाणिज्यिक तथा दुपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री भी मई में घटी है और सभी श्रेणी के सभी वाहनों की घरेलू बिक्री 8.62 प्रतिशत गिरकर 20,86,358 इकाई रह गयी। मई 2018 में देश में कुल 22,83,262 वाहन बिके थे। सियाम के महानिदेशक विष्णु माथुर ने वाहनों की थोक बिक्री के आँकड़े जारी करते हुये कहा, ÷सरकार को यह समझना होगा कि मंदी की स्थिति है। समय रहते इसे स्वीकार करना जरूरी है ताकि सुधारात्मक कदम उठाये जा सकें।÷ उन्होंने कहा कि वाहनों की बिक्री में मौजूदा गिरावट का मौजूदा क्रम अभूतपूर्व है। यह न तो कमजोर मानसून के पूर्वानुमान का और न ही आम चुनावों का अस्थायी प्रभाव है। इसके पीछे उससे कहीं ज्यादा बड़े कारण हैं। आँकड़ों के अनुसार, पिछले साल जून से इस साल मई तक 11 में से (अक्टूबर 2018 को छोड़कर) 10 महीने यात्री वाहनों की बिक्री घटी है। सभी श्रेणी के वाहनों की कुल बिक्री लगातार छठे महीने गिरी है। चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीने में ही यात्री वाहनों की बिक्री 18.82 प्रतिशत और सभी श्रेणी के वाहनों की कुल बिक्री 12.35 प्रतिशत गिर चुकी है।

## गृह ऋण के आंकड़े कह रहे हैं कि छोटे, मझोले शहरों में बढ़ रही है घरों की मांग- जेएलएल

**नई दिल्ली।** आवास ऋण में महानगरों की तुलना में छोटे - मझोले शहरों में तेज वृद्धि से पता चलता है कि दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों के मुकाबले दूसरे शहरों में घरों की मांग में वृद्धि अधिक है। जमीन, मकान के बारे में परामर्श देने वाली कंपनी जेएलएल ने सोमवार को एक विश्लेषण रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार देश के छोटे एवं मझोले 50 शहरों में वित्त वर्ष 2012-13 से 2017-18 के दौरान बकाया मकान कर्ज में 15 प्रतिशत से 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी दौरान चार महानगरों...दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में इसमें 8 प्रतिशत से 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी की आरबीआई के आवास ऋण आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान देश का आवास ऋण बाजार 4,600 अरब रुपए से बढ़कर 9,700 अरब रुपए पहुंच गया। कुल मिलाकर इसमें 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जेएलएल इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा क्षेत्रीय प्रमुख रमेश नायर ने कहा, आवास ऋण के आंकड़े इस धारणा को गलत साबित करते हैं कि देश में रिहायशी मकानों की मांग को गति शीर्ष शहरों मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और कोलकता से मिल रही है। आंकड़ों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि विकास का जोर धीरे-धीरे छोटे एवं मझोले शहरों (टियर 2 और टियर 3) तक पहुंचने के साथ इन जिलों में मकान खरीदारों की रूचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष 2012-13 से 2017-18 के दौरान बकाया आवास ऋण में महानगरों की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत से घटकर 16 प्रतिशत पर आ गई। वहीं देश के अन्य भागों की हिस्सेदारी इस दौरान 78 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत पहुंच गई।

# उधना रेल्वे स्टेशन के अन्दर-बाहर असामाजिक तत्वों का कब्जा

## रेल्वे स्टेशन के गेट के सामने ही आटों और लारी गल्ला वालों का है अवैध कब्जा

सूरत। उधना रेलवे स्टेशन पर पार्किंग के कॉन्ट्रैक्टर की मेहरबानी से अवैध रूप से खड़े किए गए अलग-अलग जगहों पर लारी गल्ला वालों के पास से भी रोजाना पैसा वसूल किया जाता है जबकि पार्किंग की जगह पर की जगहों पर अनेक ऐसे असामाजिक तत्वों का भी जमावड़ा रहता है जिससे आने जाने वाले यात्रियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उधना रेल्वे स्टेशन से यात्रियों को आने तथा जाने के लिए बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि हर रोज यूपी.एवं बिहार के लिए जाने वाली ट्रेनों में जाने वाले यात्रियों की जेब काट कर असामाजिकतत्व उनकों मोटी चप्त लगाते है। यहां हर रोज सेकडों मोबाइल की चोरी की जाती है लेकिन ना तो आर.पी.एफ इस पर कोई कार्यवाही करता है ना ही प्रसाशन।

# कुड़ा फेकने वालों पर मनपा करेगी कार्यवाही, 200-500 रुपये का लगेगा जुर्माना

(जी.एन.एस) ता. 11

**गांधीनगर ।** स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अहमदाबाद महानगरपालिका पिछले कई दिनों से कार्य कर रही है। लेकिन फिर भी राहदारी लोग स्वच्छता अभियान की एसी की तेसी करके निकलते है और कहीं भी कुडा फेक देते हौ और पानमसाता खा कर कहीं भी पिचकारी मार देते है। लेकिन अब इस चीज का भी उपाय अहमदाबाह महानगरपालिका ने ढुंढ लिया है। गंदकी की चलते अब गुजरात की महत्वपूर्ण नदियों में से एक साबरमती नदी में कुड़ा फेकने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल में अहमदाबाद महानगर पालिका ने साबरमती नदी को स्वच्छ बनाने का अभियान चलाया है। उस अभियान के अंतर्गत साबरमती नदी में से कुडा बिनने की कार्यप्रवृत्ति की जा रही है। लेकिन अब साबरमती नदी में पूजा सामाग्री सहित कुड़ा फेकने वालों पर 200 रुपये से लेकर 500 रुपये का दंड किया जाएगा। इसके लिए प्रशासन ने शहर के बीच से गुजरती साबरमती नदी के दोनों तरफ सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्णय किया है। जिससे कुढा फेंकने वाले लोग इस केमरे में केद हो जायेगें।

मनपा प्रशासन के मुताबिक साबरमती नदी अहमदाबाद शहर के लिए महत्वपूर्ण मानी गई है। इसलिए इसे प्रदूषित होने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए है। गांधी जयंति की 150 मी जन्म जयंति को लेकर पुरे भारत में इस समय स्वच्छता को लेकर कार्यक्रम किया जा रहे है। अहमदाबाद में शहर के बीच आई हुई साबरमती नदी अहमदाबाद की शान कही जा सकती है। आज उस शान को न बिगढ़ने देने के लिए मनपा कुडा फेंकने वालों पर कडक कदम उठायेगी। पिछले कई दिनों से अमदाबाद साबमती नदी में से कुडा बिनने का काम चल रहा था उसी के चलते आज साबरमती नदी में कुल 500 टन कुड़ा बाहर निकाला गया है। अहमदाबाद महानगर पालिका ने बताया कि गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने साबरमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए अनोखा अभियान चलाया है।

जिससे अभी की परिस्थित में साबरमती नदी को प्रदुषित होने से रोकना है। 500 टन कुडा निकालने के बाद अहमदाबाद महानगरपालिका ने बताया कि इसमें से इसमें से 352 टन अर्थात 65 फीसदी पूजा सामाग्री है। मनपा अधिकारियों के मुताबिक नदी में विविध धार्मिक त्यौहारों के दौरान भगवान की मूर्ति विसर्जित की जाती है। इसी समय लोगों द्वारा नदी में पूजा साम्रागी भी फेंक दी जाती है। प्रशासन ने पिछले कई वर्षीं से नदी के किनारे एक कुंड बनाकर मूर्ति उसमें वसर्जित करने का आदेश दिया है। लेकिन, इसके बाद भी लोगों द्वारा नदी में मूर्तियां विसर्जित की जाती है।

इस दौरान पूजा सामाग्री भी विर्सजित की जाती है। फिलहाल अहमदाबाद महानरपालिका नदी के आझु बाजु सीसीटीवी कैमरे तगवायेगी जिसका संचालन भी नदी के पास के इलाके में किया जाएगा। ताकि नदी में कुंडा फैकने वालों के खिलाफ 200 रुपये से लेकर 500 रुपये तक का दंड वसूला जा सकेगा। मनपा के मुताबिक साबरमती नदी में गटर का पानी ट्रीट कर डाला जाएगा। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत फिलहाल महानगरपालिका के ध्येय मात्र सफाई की कामगिरी में लगा है जिससे साबरमती में जल्द से पानी छोडकर शहेर की शोभा बढ़ाई जाये और रिवरफ्रंन्ट फिर से हरा भरा दिखने लगे।

# सचिन जी.आई.डी.सी में फायर अकस्मात एवं फायर एन.ओ.सी विषय पर चैम्बर का सेमीनार आयोजित

सूरत। मंगलवार दि सदर्न गुजरात चैम्बर आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री तथा सचिन इन्डस्ट्रीयल को आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम में आज सांय 4.00 बजे सचिन इन्डस्ट्रियल को आपरेटिव सोसायटी में फायर अकस्मात एवं फायर एन.ओ.सी. के विषय में अवेरनेस सेशन का आयोजन किया गया था। जिसमें विशेषज्ञ वक्ता के रुप में औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के निवृत्त नायब निर्देशक एल.के. डुंगराणी ने आग/अकस्मात की घटना से बचने हेतु क्या ध्यान रखना चाहिए। उस संदर्भ में वक्तव्य प्रस्तुत कर मार्गदर्शन दिया था।

चैम्बर के प्रमुख श्री केतन देसाई ने कार्यक्रम में सब का स्वागत किया था एवं प्रारम्भिक उद्बोधन में बताया था कि शहर में निवास एवं औद्योगिक विस्तार में आग/अकस्मात की घटना को रोकने हेतु तथा उससे बचने हेतु इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन आवश्यक है। भविष्य में अन्य विस्तारों में भी अवेरनेस हेतु कार्यक्रम किया जायेगा।

वक्ता श्री एल.के. डुंगराणी ने विशेष रुप से इन्डस्ट्रियल विस्तारों में आग/अकस्मात सम्बन्धित प्रिवेन्शन पर भार देते हुए कहा कि कारखाने में काम करने वाले मजदूरों भी कारखाने दार के परिवार के भाग है। इससे कामदारों की सुरक्षा की प्राथमिक जवाबदारी कारखाने दारो की होती है। कारखाने दार की प्रापर्टी में जब घटना बनती है तब नुकसान मात्र कारखाने दार को ही नहीं बल्कि सरकारी भी नुकसान का भोग बनती है, तथा इसका असर जी.डी.पी. पर ग्रोथ पर भी पड़ता है। आग/अकस्मात की घटनाये कारखाना में नहीं बने इसके लिए सतर्कका कदम जैसे कि लूज कनेक्शन रोकना, ओवर लोडिंग रोकना, स्टैंडर्ड प्रकार के टूल्स एवं साधनों का उपयोग तथा सभी प्रकार के फ्यूज बोक्स, कनेक्टरों, पैनेल बोर्ड इत्यादि की इलेक्ट्रिशियन इन्जीनियर द्वारा योग्य समयान्तर पर चेकिंग करवाने की सूचनाये दी।

# गुजरात की ओर तेजी से बढ़ रहा तूफान 'वायु', भारी बारिश के आसार

(जी.एन.एस) ता. 11

गांधीनगर। देशभर में गर्मी का कहर जारी है। मिल रही खबर के अनुसार चक्रवात वायु देश के कई राज्यों की तरफ बढ़ रहा है। लक्षद्वीप द्वीप समूह के पास अरब सागर के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'वायु' की रफ्तार बढ़ने लगी है। इस तूफान के बुधवार तक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में तब्दील होने की संभावना है। यह उत्तर-पश्चिम की तरफ से गुजरात की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग की मानें तो इस तूफान के साथ देश के पश्चिमी तटों में भारी बारिश हो सकती है।

यह तूफान गर्म समुद्र से ताकत एकत्र कर रहा है और सोमवार को यह एक गहरे दबाव में बदल गया। मंगलवार-बुधवार तक यह तूफान एक ताकतवर चक्रवात के रूप में सामने आ सकता है। भारत में इस चक्रवात को 'वायु' नाम दिया गया है। गुरुवार को यह तूफान अपने चरम पर होगा। मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि 13 जून की सुबह 'वायु' गुजरात के पोरबंदर और महुवा इलाकों से गुजरेगा और उस वक्त इसकी रफ्तार 110-120 किलोमीटर प्रति घंटे से 135 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है।

भारत के मौसम विभाग ने चक्रवात वायु पर एक ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब होता है कि यह तूफान जमीनी स्तर पर बहुत ज्यादा नुकसान नहीं करेगा। समुद्र के ऊपर इस तूफान के मंडराने को लेकर मछुआरों के लिए 13 जून तक अलर्ट जारी किया गया है और उन्हें समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। वायु चक्रवात भारत के दक्षणी तट के करीब से उत्तर की ओर बढ़ रहा है, इसलिए मॉनसून से नमी दूर होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों की मानें तो इस चक्रवात के कारण मॉनसून अगले कुछ दिन आगे बढ़ सकता है। आईएमडी के पूर्वानुमान विभाग के प्रमुख डी शिवानंद पाई ने कहा कि मॉनसून के 15-16 जून तक आने की संभावना था, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि चक्रवात नमी को खींच लेगा और इससे मॉनसून लेट हो सकता है।

मॉनसून सामान्य से एक सप्ताह बाद 8 जून को केरल पहुंचा था। अगर यह चक्रवात पाकिस्तान की ओर नहीं मुड़ा तो इससे गुजरात और पश्चिमी तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। अधिकारियों ने कहा कि इसके उत्तर की ओर की हलचल वाली नम समुद्री हवाओं को गुजरात और राज-स्थान की तरफ से उत्तर भारत की तरफ मोड़ने की संभावना है। यह अपने साथ हल्की बारिश ला सकती है और जिससे इस क्षेत्र में गर्म तापमान से राहत मिल सकती है।

# जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में खरीफ कृषि महोत्सव के सुचारु आयोजन हेतु बैठक

**सूरत।** मंगलवार राज्य के किसानों द्वारा आधुनिक टेक्नोलोजी युक्त खेती कर अधिक अत्पादन प्राप्त करे तथा ग्राम्य स्तर पर आधुनिक औजारों, कृषि पद्धतियों, जल संचय जैसे कार्यक्रम से किसानों की आवक बढे इस उन्नत हेतु से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रत्येक तालुका स्तर पर ता. 16 एवं 17 जून के दिन खरीद कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया है। जिस आयोजन के तहत जिला अमलीकरण समिति के सदस्यों के साथ जिला विकास अधिकारी श्री हितेश कोया की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में जिला विकास अधिकारी द्वारा उस तालुका में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को दिये गये मार्गदर्शन तथा स्थानीय प्रगतिशील किसानों के अनुभवों का आदान प्रदान व्यवस्थित हो तथा अधिकाधिक किसान मेले में भाग ले इस उद्देश्य से व्यवस्थित किया जाये। जिले में तालुकावार आयोजित कृषि महोत्सव में ता. 16 जून में कामरेज के विहाण कम्युनिटी हाल में, मांडवी में अणुमथक सांस्कृतिक भवन, मांडवी हाईस्कूल में, महुआ में आंड उद्योग सहकारी मंडली मुकाम बामणिया में आयोजित होगा। जबकि ता. 17 जून को ओलपाड़ तालुका में दि पुरुषोत्तम फार्मर्स सोसायटी सायण रोड़, ओलपाड जीन, बारडोली में काछिया पाटीदार समाज के सांस्कृतिक संकुल में चोर्यासी तालुका के भेसाण में समस्त पाटीदार समाज की वाड़ी, मांगरोल में वांकल सरकारी सायंस कालेज तथा उमरपाड़ा में ए.पी.एम.सी. केवड़ी में कृषि महोत्सव आयोजित होगा। खरीफ कृषि महोत्सव सेमिनार का कार्यक्रम सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक कृषि पशुपालन तथा बागायत वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन, प्रगतिशील किसानों के अनुभवों का आदान प्रदान, किसान गोष्ठी जबकि एक्जीविशन सुबह 8.30 से सायं 6 बजे तक खुला रहेगा।

## राणीतलाव में अवैध बांधकाम का डेमोलेशन

**सूरत।** मंगलवार को सेन्ट्रल जोन के कार्यपालक इन्जीनियर की सूचना एवं मार्गदर्शन के तहत सेन्ट्रल जोन विस्तार में स्थित वार्ड नं. 12 नोध नं. 3124, राणीतलाव भागल वाली मिलकत में सूरत महानगर पालिका के मजूर प्लान के विरुद्ध बांधकाम करने से यहां ता. 10/6/2019 के दिन सेन्ट्रल जोन शहर विकास विभाग, दबाण खाता, का स्टाफ तथा सूरत महानगर पालिका का सिक्युरिटी स्टाफ की मदद से डेमोलेशन किया गया।

# मई 2019 में स्मीमेर हास्पिटल में 4543 इन्डोर एवं 52081 आउटडोर रोगियों का उपचार

**सूरत।** मंगलवार को स्मीमेर हास्पिटल में मई 2019 के एक माह के बीच 4543 इन्डोर एवं 52081 आउटडोर पेशेन्टों का उपचार किया गया। 2114 छोटे तता 733 बड़े आपरेशन किये गये।

13096 एक्स रे किये गये थे। टी.बी. के नये 1551 एवं पुराने 1691 रोगियों सहित कुल 3242 रोगियों की जांच की गयी। दांत के रोगों के लिये कुल 1477 पीडितों का उपचार किया गया था। फिजियोंथिरेपी विभाग में कुल 1368 तथा आंख विभाग में 2815 आउटडोर पीडितों का पंजीयन हुआ है। लेवोरेटरी विभाग में कुल 17883 पीडितों का निरीक्षण किया गया। गरीब तथा माध्यम वर्ग के लोगों को आरोग्य लक्षी सेवा का अच्छा लाभ ले रहे है।

## एस्सार पोर्ट में अप्रिल-मई 2019 में कार्गो थ्रुपुट में विक्रमी वृद्धि की

सूरत। मंगलवार को भारत में पूर्व एवं पाश्चिम के बन्दरों पर से कार्यरत एस्सार के पोर्ट बिजनेस ने चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम दो महीने में अप्रिल से मई 2019 कार्गो वोल्यूम में 29 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की है। जिसमें थ्रुपुट 72 एम.टी. (मिलियन टन) है।

जबकि पिछले वित्तीय वर्ष समान समय की तुलना में तो थर्ड पार्टी कार्गों में 131 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केप्टिव ग्राहकों के पास से कार्गों वाल्यूम में भी 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)**